राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

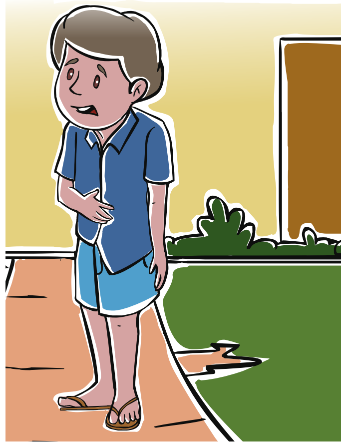

क्या आप जानते हैं कि कृमि संक्रमण से बच्चों के स्वास्थ्य पर अनेक हानिकारक प्रभाव होते हैं, जैसेः

• खून की कमी (अनीमिया) • कुपोषण • भूख न लगना • बेचैनी

• पेट में दर्द, उल्टी और दस्त • वज़न में कमी आना

29 अगस्त 2019 राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को कृमि नियंत्रण की दवाई आंगनवाड़ी एवं स्कूल केन्द्रों के माध्यम से निःशुल्क खिलाई जाएगी।

1. 1–5 साल के बच्चों को यह दवाई आंगनवाड़ी केन्द्रों में खिलाई जाएगी।
2. 6–19 साल के बच्चों को यह दवाई स्कूलों में खिलाई जाएगी।
3. गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को भी यह दवाई आंगनवाड़ी केन्द्रों में खिलाई जाएगी।
4. एल्बेंडाजॉल बच्चों के लिए सुरक्षित दवाई है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/शिक्षक अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएं।

बच्चों में कृमि नियंत्रण के फायदे

सीधे फायदेः

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर

अनुमानित फायदेः

- आंगनवाड़ी और स्कूल में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार लाने में मदद
- भविष्य में कार्यक्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- वातावरण में कृमि की संख्या कम होने पर समुदाय को लाभ मिलता है

याद रखें: 29 अगस्त 2019

अपने बच्चों को नज़दीकी आंगनवाड़ी केन्द्रों और स्कूलों पर अवश्य लाएं और कृमि नियंत्रण की दवाई निःशुल्क खिलवाएं।

जो बच्चे छूट जाएं, उन्हें मॉप-अप सप्ताह 30 अगस्त से 4 सितम्बर 2019 के दौरान दवाई ज़रूर खिलवाएं।

कृमि नियंत्रण की दवाई खाने के साथ-साथ कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहार

नाखून साफ और छोटे रखें

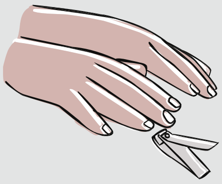

आस पास सफ़ाई रखें

हमेशा साफ पानी पीएं

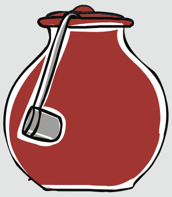

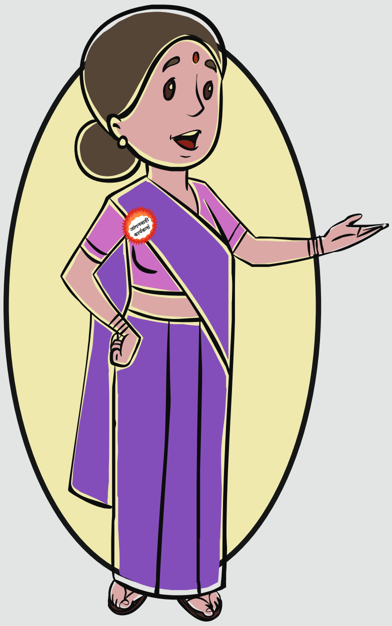

जूते पहनें

खाने को ढ़क कर रखें

खुले में शौच ना करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें

साफ पानी से फल व सब्ज़ियाँ धोएं

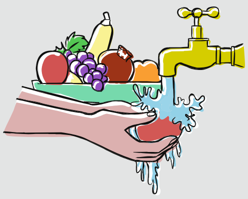

अपने हाथ साबुन से धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद

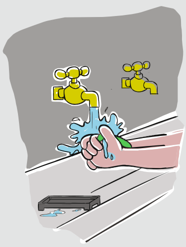

आपकी जानकारी के लिए

कृमि नियंत्रण की दवाई सभी बच्चों को खिलाना जरूरी क्यों है, जबकि कुछ बच्चे बीमार प्रतीत नहीं होते?

- कृमि संक्रमण चक्र की रोकथाम के लिए यह दवाई सभी बच्चों को देना आवश्यक है। हो सकता है कि आपके बच्चो में कृमि संक्रमण के प्रभाव तुरंत दिखाई न दें, लेकिन वे बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और संपूर्ण विकास को लंबे समय तक नुक्सान पहुंचा सकते हैं।
- कृमि नियंत्रण की दवाई से बच्चों के संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है।
- गले में दवाई अटकने से बचाने के लिए बच्चों को हमेशा दवाई चबाकर खाने की सलाह दें। पीने का पानी साथ रखें। बिना चबा कर खायी गयी एल्बेंडाजॉल दवाई का प्रभाव महत्वपूर्ण रूप से कम हो सकता है।
- किसी भी चिकित्सक सहायता के लिए 108 नम्बर पर फोन करें।
- अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/आशा/ए.एन.एम. से संपर्क करें।